कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.–07752 228225

दिनांक 28.11.2023

'राज्य स्तरीय कार्यशाला'

'वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में राष्ट्रभाषा और मातृभाषा का महत्व'

भाषा न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है, अपितु यह अपने देश काल और संस्कृति को भी समन्वित करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 हमारे सामने है जिसके अनेक महत्वपूर्ण पक्ष है, यह शिक्षा नीति अपने स्वरूप अपनी प्रक्रिया में ऐतिहासिक कही जा सकती है। भारतवर्ष की आवश्यकताओं, आकाँक्षाओं एवं विविधताओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 महत्वपूर्ण प्रावधानों के साथ अवतरित हुई है, इसका सबसे महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय भाषाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ता भी है। भारतीय भाषाओं में ज्ञान–विज्ञान की एक सुदीर्घ परम्परा विद्यमान है। भाषा जोड़ती है। ज्ञान–विज्ञान को यदि मातृभाषा के माध्यम से प्रसारित किया जाये तो वह अधिक कारगर एवं प्रभावी रूप से परिणित होगी, और हमारी मातृभाषा ज्ञान–विज्ञान को आम जन तक पहुँचाने का माध्यम बन सकेगी।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय परिवार व निम्नांकित छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की।

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1.	प्रीति कश्यप	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	प्रीति कश्यप
2.	सुमन कश्यप	एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	सुमन कश्यप
3	सीमा साहू	एम ए. प्रथम सेम	Somasahu
4	खुशबू कौशिक	एम ए. प्रथम सेम	खुशबू कौशिक
5.	श्रेया बघेल	एम ए. हिन्दी प्रथम सेम	Shreya
6.	वर्षा कौशिक	एम. ए. हिन्दी प्रथम से.	वर्षा कौशिक
7.	मंजू अनंत	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर	Manjul
8.	नेहा साहू	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे.	NSahu
9.	भारती साहू	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे.	BSahu
10.	रश्मि बघेल	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे.	Baghel
11.	हरिता लहरे	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे.	Harita
12.	प्रजेश कुमार	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेम.	Prajesh
13.	प्रसन्नता नवरंग	एम. ए. हिन्दी प्रथम	P. Navrang
14.	कुलेश्वरी साहू	एम. ए. हिन्दी तृतीय	KSahu

15.	पार्वती सोनानी	एम. ए. हिन्दी तृतीय	Parvati
16.	युवराज	एम. ए. हिन्दी तृतीय	[illegible]
17	साधना तिलगाम	एम. ए. हिन्दी प्रथम	[illegible]
18	अनिषा जगत	एम. ए. हिन्दी प्रथम	अनिषा जगत
19	शालिनि सुर्यवंशी	एम. ए हिन्दी प्रथम	Shalini
20	उपासना साहु	एम. ए हिन्दी प्रथम	Upasana Sahu
21	सुमन सुर्यवंशी	एम ए हिन्दी प्रथम	सुमन
22.	अराधना कौशिक	एम. ए. हिन्दी प्रथम	अराधना
23	शिवनारायण पटेल	एम. ए. हिन्दी प्रथम	[illegible]
24	समीर खाँन	एम. ए. हिंदी प्रथम	समीर खाँन
~~24~~	~~अ~~		
25	अगम दास	एम. ए. हिन्दी प्रथम	[illegible]
26	राहुल कुमार	एम. ए. हिन्दी प्रथम	[illegible]
27	प्रदीप कुमार	एम. ए. हिन्दी प्रथम	प्रदीप कुमार
28	सरिता साहु	एम. ए. हिन्दी तृतीय सेम	Saritta
29	सुमन सिंह	एम. ए. हिन्दी तृतीय सेम.	[illegible]
30	प्रीति कुमारी	एम. ए. हिन्दी प्रथम	[illegible]
31	रंजना साहू	एम. ए. हिन्दी प्रथम	[illegible]
32	रूपाली डोंगरे	एम. ए. हिन्दी प्रथम	Rupali
33	नेहा सतनामी	एम. ए. हिन्दी प्रथम	नेहा
34	रजनी दुबे	एम. ए. हिन्दी तृतीय सेम	[illegible]
35	प्रीति शर्मा	एम. ए. हिन्दी तृतीय सेम	Preeti
36	दिवाकर साहु	एम ए हिन्दी तृतीय सेम	दिवाकर साहु
37	शालिनी कश्यप	एम. ए हिंदी III	Shalini
38	नागेश्वर	एम. ए हिंदी III	नागेश्वर
39	श्वेता धृतलहरे	एम. ए. हिंदी I	[illegible]
40	पूर्णिमा कैवर्त	एम. ए. हिन्दी I	पूर्णिमा
41	वर्षा सुर्यवंशी	एम. ए. हिन्दी III	वर्षा सुर्यवंशी
42	नेहा सुर्यवंशी	एम. ए. हिन्दी III	~~[illegible]~~ नेहा
43	निर्मला	एम. ए. हिन्दी III	निर्मला

44	अनुपा पैकरा	एम.ए. हिन्दी III	अनुपा
45	सोनम नेगी	एम.ए. हिन्दी III	Sonam
46	संतोषी सिंगरौल	एम.ए. III	Santoshi
47	शैफाली जायसवाल	III	[illegible]
48	गणेशु निर्मलकर	I सेमेस्टर	[illegible]
49	अंकिता	I सेमेस्टर	Ankita
50	राजकिरन	III sem	Rajkiran
51	सोमेश राजपूत	बी-कॉम II	[illegible]
52	संध्या, सिंह	बी-कॉम II	[illegible]
53	सूर्यकांत महेश्वरी	B.A III	[illegible]
54	विशाल रजक	B.COM II	Vishal
55	श्यामलाल	B.com II	[illegible]
56	रेवानी हलमईरे	M.A. IV	रेवानि
57	खेमा कुमार	M.A IV	Khemlle
58	Soni Dhruw	B.COM II	Soni Dhruw.
59	Muskan Bhargaw	B. com II	Muskan
60	Muskan Khan	B.A - II	MK.
61	Abhishek kujur	B.com I	[illegible]
62	Jagjit singh	B com - I	[illegible]
63	Poonam Sahu	B.com I	Poonam Sahu
64	Rajeshwari Prajapati	B.COM I	Rajeshwari.
65	Durgesh dhruw	B. Com I	Durgesh
66	Riya Kaiwart	B.com. I	Riya
67.	Saniya yadav	B. com. I	Saniya
68.	Adarsh shrivastawa	B.com - I	Adarsh
69	Tejasvini gupta	B. Com - I	Tgupta
70	Anju Suryawanshi	B. Com I	Anju S.
71.	Naveen Kaushik.	B. Com - I	NKaushik.
72	Tushar Patel	B. com - I	[illegible]
73.	Tikesh Sao	B. Com - I	TSao

प्रबुद्ध

आती है घर में सुख-समृद्धि

ऐसी मान्यता है कि अगहन गुरुवार में मां लक्ष्मी पृथ्वी लोक का विचरण करने आती हैं। इस समय घर-द्वार की विशेष साज-सज्जा के साथ मां लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना करने से घर में सुख-समृद्धि आती है।

पूजा की तैयारी मंगलवार से ही शुरू हो गई है। बुधवार को घर के द्वार से लेकर पूजा स्थल तक चावल आटे के घोल से मां लक्ष्मी के पद चिन्ह एवं आकर्षक अल्पना सजाए जाएंगे। गुरुवार की सुबह सूर्य निकलने से पहले महिलाएं स्नान कर मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करेंगी। यही क्रम दोपहर व शाम को भी चलेगा। इस बीच मां को तीनों टाइम अलग-अलग भोग अर्पित किया जाएगा।

मातृ व राष्ट्रभाषा को महत्व देने की जरूरत

बिलासपुर। शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय हिंदी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर मंगलवार को वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और राष्ट्रभाषा की उपादेयता विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृ भाषा और राष्ट्रभाषा को महत्व देने से भारतीय संस्कृति और जमीनी प्रकृति के अनुरूप शिक्षा का विकास होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक थे। प्राचार्य डॉ. श्यामलाल निराला ने अध्यक्षता की। वरिष्ठ कवि डॉ. अरुण कुमार यदु, तुलसी साहित्य अकादमी के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र दुबे एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के जिला समन्वयक डॉ. विवेक तिवारी विशेष अतिथि थे। प्राचार्य डॉ. निराला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला अत्यंत प्रासंगिक है।

...वत कथा आज से

...शक्ति बेकरी के पास गोड़पारा ...योजन किया जा रहा है। ...

श्री भैरव जयंती महोत्सव

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.–07752-228225

बिलासपुर, दिनांक 28/11/2023

–: प्रतिवेदन :–

"वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और राष्ट्र भाषा की उपादेयता"

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) में आज मातृभाषा दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ी भाषा कार्यशाला का आयोजन विषय "वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और राष्ट्र भाषा की उपादेयता" हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनय कुमार पाठक पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग एवं कुलपति थावे विद्पीठ गोपालगंज पटना एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अरूण कुमार यदु वरिष्ठ कवि एवं समीक्षक, डॉ. राघवेन्द्र दुबे प्रान्तीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी एवं डॉ. विवेक तिवारी जिला समन्वयक छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ एवं अध्यक्षता महाविद्यालय परिवार के मुखिया डॉ. श्यामलाल निराला के सानिध्य में सम्पान्न हुआ।

डॉ. विनय कुमार पाठक ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा और राष्ट्र भाषा का जो महत्व दिया है, उससे भारतीय संस्कृति और जमीनी प्रकृति के अनुरूप शिक्षा का विकास कारगर होगा। उन्होंने आगे कहा कि मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा से विद्यार्थियों में मौलिक प्रतिभा के उन्नयन द्वारा उसमें सहजतः ज्ञान विज्ञान के सूत्र संग्रहित होंगे उन्होंने अनेक उदाहरणों द्वारा मातृभाषा के प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को अनावृत्त किया। शिक्षाविद् डॉ. श्यामलाल निराला (प्राचार्य) ने अपने अध्यक्षीय आसंदी से कहा कि हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला अत्यंत प्रासंगिक है क्योंकि देश और प्रदेश में आगामी सत्र से इसका शुभारंभ होना है। डॉ. अरूण कुमार यदु ने बताया कि राष्ट्रभाषा के माध्यम से शिक्षा का आशय भारतीय संस्कृति को प्रोन्नत करना होगा। जो नयी पीढ़ी को राष्ट्रवाद से जोड़ेगी। आज की बदरंग शिक्षा व्यवस्था में पाश्चात्य प्रभाव अधिक है एवं डॉ. राघवेन्द्र दुबे ने अपने सम्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग ने हिन्दी के साथ–साथ छत्तीसगढ़ी राजभाषा को लेकर जो कार्य कर रही है उसे नयी शिक्षा नीति से सम्बल मिलेगा। डॉ. विवेक तिवारी ने छत्तीसगढ़ी पढ़ने, लिखने और व्यवहार में लाने के पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ी को राजभाषा बनाकर ही अपनी अस्मिता को अक्षुण्ण रखा जा सकता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती वंदना के बाद अतिथियों का स्वागत किया गया विषय प्रवर्तन डॉ. परमजीत पाण्डेय सहायक प्राध्यापक हिन्दी के द्वारा संचालन गणेश निर्मलकर, अंकिता तथा आभार प्रीति शर्मा और समीना के द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं ने लोक नृत्य की भी प्रस्तुति दी एवं उल्लेखनीय संख्या में छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे।

(डॉ. श्यामलाल निराला)
प्राचार्य
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस
दिनांक : 28 नवम्बर
"वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में
राष्ट्रभाषा और मातृभाषा का महत्व
RE-GEN
REDMI NOTE 8 PRO
PRAGYESH
28/11/2023 14:12

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस
"वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में
राष्ट्रभाषा और मातृभाषा का महत्व
RE-GEN
REDMI NOTE 8 PRO
PRAGYESH
28/11/2023 14:12

REDMI NOTE 8 PRO

बिलासपुर (छ.ग.)
छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस
दिनांक : 28 नवम्बर 2023
"वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में
राष्ट्रभाषा और मातृभाषा का महत्व
:: आयोजक ::
हिन्दी विभाग
REDMI NOTE 8 PRO
PRAGVESH
28/11/2023 14:18

बिलासपुर (छ.ग.)
छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस
दिनांक : 28
दिनांक : 28 नवम्बर 2023
"वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में
राष्ट्रभाषा और मातृभाषा का महत्व
:: आयोजक ::
हिन्दी विभाग
एवं वाणिज्य
REDMI NOTE 8 PRO
PRAGYESH

बिलासपुर (छ.ग.)
छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस
दिनांक : 28 न
आयोजक
दिनांक : 28 नवम्बर 2023
"वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में
राष्ट्रभाषा और मातृभाषा का महत्व
:: आयोजक ::
हिन्दी विभाग
एवं वाणिज्य
REDMI NOTE 8 PRO
PRAGVESH
28/11/2023 14:18